[194] SEAT NO._____ No. of Printed Pages : 1

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A.(HINDI) SEM.III EXAMINATION

FRIDAY 26th OCTOBER

2018

02:00 PM TO 05:00 PM

छायावादी काव्य (PA03CHIN23)

कुल गुण : ७०

प्रश्न -१ छायावादी काव्य की सामान्य प्रवृतियों का सोदाहरण चर्चा कीजिये | (१७)

अथवा

प्रश्न -१ महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'कामायनी' की समीक्षा कीजिये |

प्रश्न -२ 'कुकुरमुत्ता' कविता के काव्य-सौन्दर्य को उद्घाटित करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए | (१७)

अथवा

प्रश्न -२ 'नौकाविहार' काव्य की काव्यकला की चर्चा करते हुए पंत के प्रकृति-चित्रण की विशेषता को बताइए |

प्रश्न – ३ टिप्पणी लिखिए : किन्हीं दो (१८)

(१) महादेवी वर्मा की कविताओं में व्यक्त विरह वेदना

(२) श्रध्दा की चरित्रगत विशेषताएं

(३) 'परिवर्तन' कविता में निरुपित परिवर्तन की भाव-संवेदना

(४) 'शलभ मैं शापमय वर दूँ !' कविता का भाव-सौन्दर्य

प्रश्न – ४ ससंदर्भ व्याख्या कीजिये : (१८)

(क)सोचा मन में हत बार – बार –

" ये कान्यकुब्ज-कुल कुलांगार,
खाकर पत्तल में करे छेद,
इनके कर कन्या, अर्थ खेद,
इस विषय बेली में विष ही फल,
यह दग्ध मरु-स्थल – नही सुजल | "

अथवा

हिमगिरि के उत्तुंग शिखर पर, बैठ शिला की शीतल छांह,
एक पुरुष भीगे नयनों से देख रहा था प्रलय प्रवाह |
नीचे जल था ऊपर हिम था, एक तरल था एक सघन,
एक तत्व की ही प्रधानता – कहो उसे जड़ या चेतन |

(ख) चांदनी रात का प्रथम प्रहर, हम चले नाव लेकर सत्वर !
सिकता की सस्मित सीपी पर मोती की ज्योत्स्ना रही विचर,
लो , पाले चढ़ीं , उठा लंगर !

अथवा

विस्तृत नभ का कोई कोना , मेरा न कभी अपना होना

परिचय इतना , इतिहास यही – उमड़ी कल थी, मिट आज चली !

—X—